राजस्थान पत्रिका 5/1/2016

स्थापना दिवस मनाया | भेड़पालकों को त्रिसंकर नस्ल के मेंढों का वितरण किया

नई नस्ल ईजाद कर संस्थान को गौरवान्वित किया-तनेजा

मालपुरा @ पत्रिका
patrika.com

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में सोमवार को संस्थान का 55वां स्थापना दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. वी. के. तनेजा, विशिष्ट अतिथि पशु विज्ञान आईसीएआर के पूर्व उप महानिदेशक डॉ. के. एम. एल. पाठक एवं संस्थान निदेशक डॉ. एस. एन. के. नकवी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जलाकर की। इस मौके पर मुख्य अतिथि तनेजा ने कहा कि संस्थान अनुसंधान के क्षेत्र में कई नए आयाम स्थापित कर रहा है। भेड़ की नई नस्ल त्रिसंकर ईजाद कर संस्थान को गौरवान्वित किया है। वैज्ञानिक किसानों के साथ मिलकर शोध कार्य में सहभागिता निभाएं। इससे लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। समारोह को डॉ. पाठक ने भी सम्बोधित किया। निदेशक ने बताया कि संस्थान के द्वारा विकसित की गई नई त्रिसंकर नस्ल से किसानों व भेड़ पालकों को अधिक लाभ मिल सकेगा। इस अवसर पर मूल्यांकन के लिए भेड़पालकों को त्रिसंकर नस्ल के मेंढों का निःशुल्क वितरण किया गया। डॉ. अरुण कुमार तोमर, वैज्ञानिक एवं परियोजना के मुख्य अन्वेषक डॉ. आर. सी. शर्मा, पशु-पोषण विभाग के डॉ. ए. साहू ने भी विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार, तकनीकी श्रेणी में जगदीशप्रसाद बैरवा, प्रशासनिक श्रेणी में मनीष बडोला व संजय शर्मा, कुशल सहायक श्रेणी में संतोष कुमार सैन एवं सुभाषचंद्र को अतिथियों ने सम्मानित किया। संचालन मुरारीलाल गुप्ता ने किया।

मालपुरा में अविकानगर संस्थान के स्थापना दिवस पर किसानों को मेंढों का वितरण करते अतिथि।

राजदूत
दिनांक 05-01-2016

मालपुरा नस्ल के अविशान मेंढे मूल्यांकन के लिए पशु पालकों को दिए

मालपुरा, (निसं.)। केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में सोमवार को आयोजित 55वें स्थापना दिवस समारोह में अंतिथियों ने 18 वर्षों के सफल अनुसंधान व शोध के बाद नवीन तकनीकों से तैयार किए मालपुरा नस्ल के अविशान मेंढे को पशु पालकों को मूल्यांकन के लिए सुपुर्द किया।

कार्यक्रम में भूतपूर्व कुलपति गुरू अंगदेव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय लुधियाना एवं भूतपूर्व उपमहानिदेशक पशु विज्ञान आईसीएआर एवं अध्यक्ष संस्थान अनुसंधान सलाहकार समिति डॉ वीके तनेजा वं विशिष्ट अतिथि के रूप में भूतपूर्व उपमहानिदेशक पशु विज्ञान आईसीएआर डॉ केएमएल पाठक ने मां सरस्वति के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। डॉ वीके तनेजा ने बताया कि देश में 97 संस्थान इस प्रकार के चल रहे हैं।

डॉ तनेजा ने वैज्ञानिकों को भेड़पालकों से लगातार सम्पर्क बनाए रख उन्हे नवीन तकनीकों का ज्यादा से ज्यादा लाभ देने की अपील की। प्रो. पाठक ने कहा कि संस्थान द्वारा किए जा रहे अनुसंधानों का सीधा लाभ किसानो को मिल रहा है। संस्थान निदेशक डॉ एसएमके नकवी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि संस्थान द्वारा एक वर्ष में 6311 नवीन पौध रोपण, कृत्रिम गर्भाधान के लिए जनजागृति शिविर व कम वर्षा में अत्यधिक चारे की पैदावार के लिए ग्वारपाठे फसल पर प्रकाश डाला।

निदेशक डॉ नकवी ने बताया कि मालपुरा नस्ल के अविशान मेंढे का वजन 44 किलो का है। वर्ष भर में सम्पूर्ण संस्थान परिसर को वाईफाई से जोड़ दिया गया है। मालपुरा में 22 व बीकानेर में 23 पशुपालन व किसान प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर भेड़ बकरी पालन को किसानों की आजीविका का सस्ता व सुगम माध्यम बताया।

कार्यक्रम के दौरान भेड़पालन कार्यक्रम 2016 का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अन्वेषक आर सी शर्मा ने परियोजना के सभी तकनीकी पहलुओ पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ रमेश चंद शर्मा व मुरारी लाल गुप्ता ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थान के डॉ अजय कुमार , जगदीश प्रसाद बैरागी, संजय शर्मा, मनीष भदौला, संतोष कुमार व सुभाष चंद का सम्मान किया गया।

अविकानगर संस्थान के स्थापना दिवस पर भेड़पालन कार्यक्रम 2016 का अतिथियों ने विमोचन किया।

- केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान केन्द्र में हुआ कार्यक्रम
- 18 वर्षों के सफल शोध के बाद तैयार हुए अविशान मेंढे
- अविकानगर जैसे देश में 97 संस्थान संचालित

दैनिक भास्कर 5/1/2016

स्थापना दिवस

18 सालों के रिसर्च के बाद भारतीय वैज्ञानिकों ने तैयार की एक साथ 3-4 मेमने पैदा करने वाली भेड़

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अविकानगर की अविशान

मालपुरा | केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर का 55वां स्थापना दिवस सोमवार को उत्साह से मनाया गया। संस्थान के सेक्टर नंबर 18 व 12 तथा 9 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों सहित संस्थान के ऑडिटोरियम में भव्य समारोह आयोजित किया गया। स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति गुरू अंगदेव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय लुधियाना एवं पूर्व उप महानिदेशक आईसीएआर एवं अध्यक्ष संस्थान अनुसंधान सलाहकार समिति नई दिल्ली डॉ. वी के तनेजा ने इस अवसर पर कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य नवीन शोध कर किसानों तक पहुंचाने व किसानों पशु पालकों की उन्नति करना है।

अविकानगर में बीते सालों में स्थापित किए गए शोध के विभिन्न आयामों की सराहना करते हुए तनेजा ने कहा कि 18 सालों की लंबी रिसर्च के बाद तैयार भेड़ की नई उन्नत नस्ल 'अविशान' को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की शान बताया। उन्होंने कहा कि एक साथ तीन से चार मेमने पैदा करने वाली भेड़ की नस्ल की भेड़ विश्व में पहली बार अविकानगर के वैज्ञानिकों ने बडी मेहनत से तैयार की है। अविकानगर के वैज्ञानिकों ने विश्व को नया तोहफा संस्थान के 55वें स्थापना दिवस पर प्रदान किया है जो एक कीर्तिमान है। समारोह के विशिष्ट अतिथि पूर्व उपमहानिदेशक आईसीएआर नई दिल्ली डॉ. के एम एल पाठक ने संस्थान के 55वें स्थापना दिवस पर

मालपुरा . संस्थान द्वारा नवविकसित 'अविशान' नस्ल के मेंढे भेड़ पालकों को प्रदान करते अथिति।

सभी वैज्ञानिकों व कर्मचारियों तथा निदेशक को बधाई देते हुए कहा कि नव उन्नत नस्ल की भेड़ जिसका नाम 'अविशान' रखा गया है यह संस्थान व आईसीएआर सहित देश की शान बनी है। अब तक भेड़ें एक बच्चा पैदा करती रही हैं अब एक साथ तीन या चार मेमने पैदा करने वाली भेड़ों से भेड़ पालकों को आर्थिक लाभ होगा। इस अवसर पर आईसीएआर के डॉ. अरुण वर्मा ने भी संबोधित किया। संस्थान निदेशक डॉ. एस.एम. के नकवी ने अतिथियों का साफा पहना कर स्वागत किया व संस्थान द्वारा बीते सालों में अर्जित की गई उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संस्थान के वैज्ञानिकों ने वर्ष 1997 में एक से अधिक बच्चे पैदा करने वाली भेड़ तैयार करने के लिए अनुसंधान शुरू किया था जो 18 सालों के बाद सफल हुआ है। दो तीन या चार मेमने पैदा करने वाली नस्ल के मेढ़ों को इस अवसर पर भेड़ पालक की रेवड़ में शामिल करने के लिए निशुल्क प्रदान किए गए हैं।

इस अवसर पर संस्थान के विकास में विशेष सहयोग प्रदान करने पर वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार व तकनीकी कर्मचारी जगदीश प्रसाद तथा प्रक्षेत्र के संजय शर्मा , एमआईएस के मनीष व संतोष एवं सुभाष को सम्मानित किया गया। समारोह में उत्तरांचल सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों के भेड़ पालक शामिल हुए। अविकानगर की तीनों ब्रांचों के हेड व प्रदेश के विभिन्न स्थानों से पशु पालकों किसानों समारोह में भाग लिया। इससे पहले सेक्टर नंबर 12 में किसान विज्ञान गोष्ठी का आयोजन किया गया। नई नस्ल की अविशान भेड़ों को रेवड़ में शामिल करने के लिए किसानों को वितरित किए गए। औषधीय पौधे लगाए गए तथा सेक्टर 18 का अवलोकन किया गया। समारोह का संचालन मुरारी लाल गुप्ता हिंदी निदेशक ने किया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी वे आभार जताया। डॉ. साहू ने स्वागत किया। अलगोजा पार्टी के गीत व केंद्रीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए।